পুণ্যতीर्थ प्रणिপুत प्राणी



न्वाछीरां सविभूत साही

शालाभ भिश्ह

চিন্তা প্রকাশন/শিবাচর-৭৮৮০০৭

Punya Tirtha Manipur Mati Songs in Bishnupriya Manipuri By-Golap Sinha

ववाधिकाती—ह्यामान जिश्स

পরসা প্রকাশ—রথযাতা। ১৫ই আষাড় ১৮০২ বাংলা ৬০শে জুন ১৯৯৫ ইং

প্রকাশক – নিশিকান্ত সিংহ। চিন্ধা প্রকাশন শিলচয় - ৭৮৮ •• 1

ছাগানিত – দি চৌধুরী প্রিণ্টার্স। ভারাপুর, শিলচর - ও

গাৰ-স্থাপা প্ৰৱোহান ৷

ভূমিকা

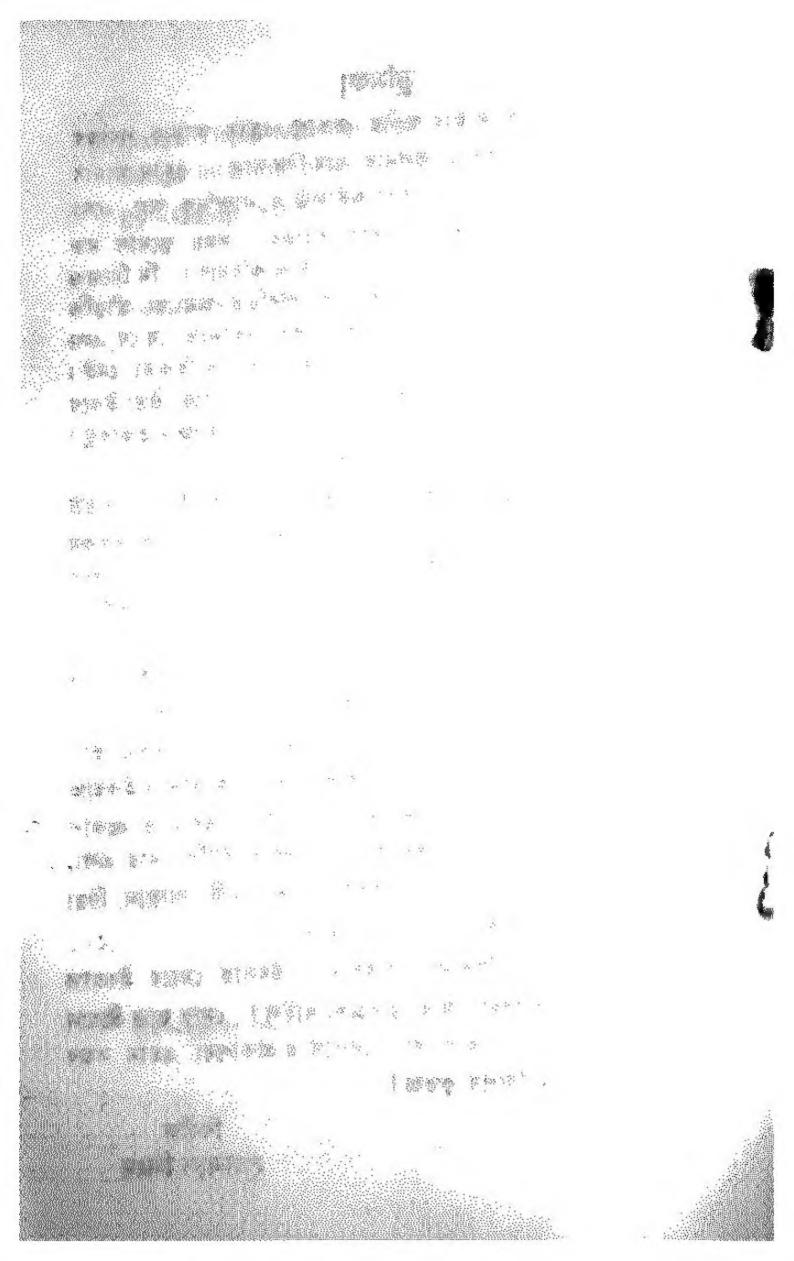
এলা বারো নাছার স্থকীয় প্রকাশ এহান আমার সমান্ত্রর প্রত্যেক মানুরাং আরতার তুলনায় রাম বিদ্যান। এহান আ্যার হারৌর বিষয়হান—আমি লেইরা আইলেউ এ নান্দনিক অল এগো আমার রকতে জলগত ধারায় বহিয়া আহের। সময় সুযোগ মত আমি হাবিরে এ বস এতা স্বাধ্যমত উপভোগ করিয়ার। মি নিজেও কোনদিন কবিগো বা লেব গগো হিসাবে পরিচিত অনা বা স্বীকৃতি পানার উদ্দেশ্যলো না ইকরেছু। হর লেবিক এহানাত যে বে এলা বা কবিতা প্রকাশরক। লেপছে এতার কোন ধারাবাহিকতা নেই। বিলেষ পরিস্থিতিত বিশেষ মূহুর্তত যেতা মনে ভাগেছে ওতা ইকরে গেছুগা। কোনহান হয়তো যাত্রা বা বিয়েটার প্রয়োজনে ইকরেছু। কোনহান হয়তো বা নিতান্ত ভাষাবেগ।

বপা বপেইর দেশ মণিপুরুমাটি হান কোনদিন দেখতট বুলিয়াও না নিংকরেছিল। কিন্তু পরিস্থিতিত পড়িয়া আকপুরুম যানার সোভাগা অছিল ঠিক সময়হান নিংশিং অনুরারেরি। তবে সম্ভবত: ১৯৭৬ ইং। লগতাগ গোর বৃক্ত গিয়া হাদলো মজেইবো দৃশ্য দেখিয়া আহির পানি আটকা নুরারেছিল। আলয়া আয়া প্লাতীর্থ মণিপুর মাটি এলা এহান ইকরোছল। মোর ভাগাহান —এ এলা এহান সমাজর মানুরে বানাপেয়া গ্রহণ করে দেছি।

সরকারর নির্দেশে হারে অয়া নিজস্ব ভাষাত প্রথম ভাগ বারো বিতীর ভাগর লেবিক লাগের বৃলিয়া সমর আহানাত ইকরাত বহেছিল। ঔস্তরর ছড়াবা কবিতাও এ লেরিক এহানাত প্রকাশ অর! আমার ভাষার এ কনাক কাল এহানাত্যদি মোর এলা, ছড়াবা কবিতা এতার পঠেক পাঠিকারে আনন্দ চুটি আহান দিয়া পারের মি নিজরে কৃতার্থ বৃলিয়া নিংকরতো।

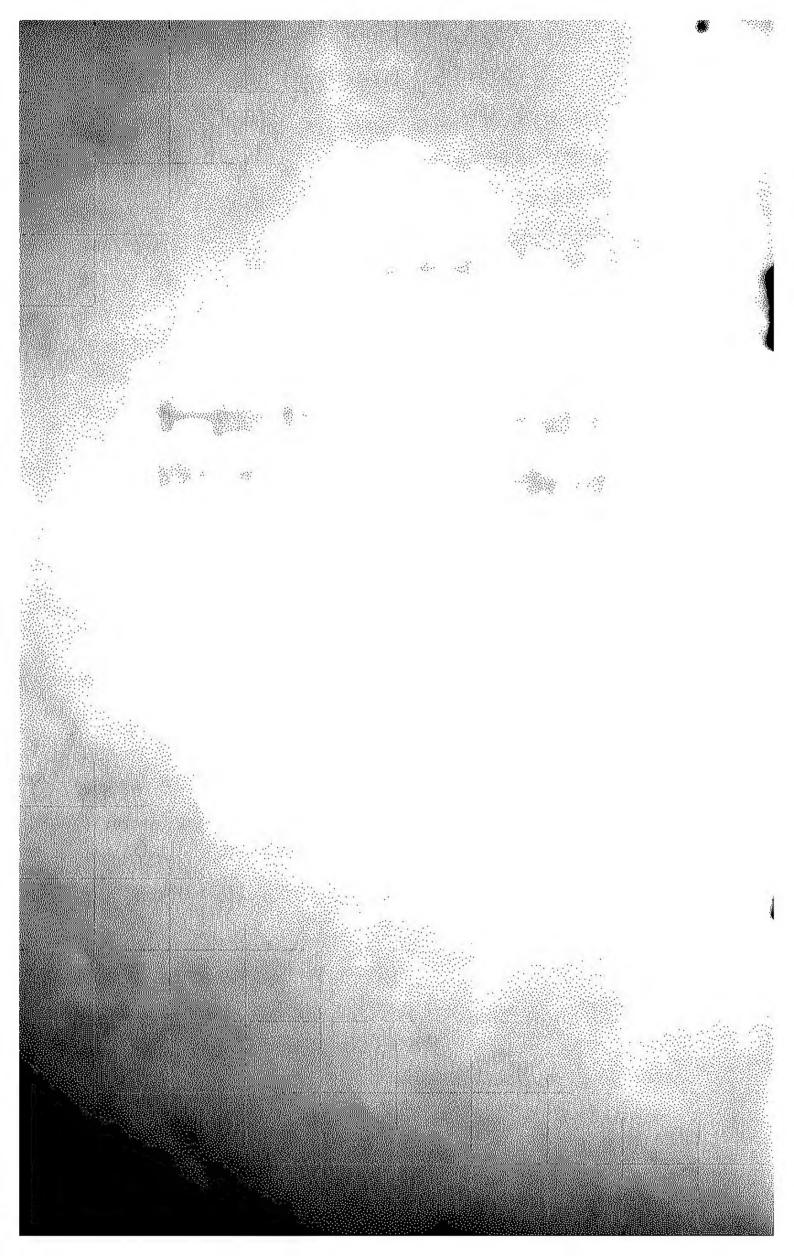
ৰে যে গিরিপিখানীর সাহচর্যা বা উৎসাহ মারে ইকরাত উদ্ধান করেছে—হাবিয়াং মোর কৃতজ্ঞতা খাইল। মোর ছাত্র জীমান নিশিকান্ত, বার প্রচেষ্টার বারো উদ্যোগে এ প্রকাশনা এহান সন্তব আছে ভারাং বি বিশেষ কৃতভা।

> বিনীত গোলাপ সিংহ



উৎসর্গ –

বৈ ইয়া-বাবার সাহচ্যা কলাকেই হারাছু— উ ইয়া স্বর্গীয়া তলেই দেবী বারো বাবা স্বর্গীয় লাবণ্য সিংহ গিরকর পাদপদ্ধে—



ঃ ঘূচীপ্ম ঃ

| 9 4 | দেশাহা ৰোধক | 96° | ल्ड मर | |
|----------------|--------------------------------------|--|--------|---------------|
| | es | \$1.00 \$1.00 | | ė |
| 4 1 5 | ব্যুক্তীর্থ মনিপুর মাটী | | | |
| | হ যাত্রী, ভবিত যাত্রী | | | |
| 91 5 | रेश विक चित्र। ट्रेनिश्या ভागिया | * * | | oğ. |
| 9 1 9 | মাত আত-ইমাবিফ প্রিয়া | | ¥.' | U |
| 41 5 | পুৰাভূমি ভারতবধ জনাভূমি মোর ইমা | | | 7 |
| | মার কতদিন থাইডেই ইমা | | | 2 |
| £ , | হারত মহান জাতীয় প্তাকা | | , , | • |
| 91 9 | | | | |
| * " * | কী ত না স | 4: | ; | |
| · 6 1 3 | ছাপ করে যাগা বিনোদিনী | | , | > |
| | দৌরাত আহিল গৌরা | 44 4 4 | • | > |
| * 101 | রাধা থমকি থমকি নাছিবী | ÷ | • | 9 |
| (1) | ধানার কথা না মাতিনে | + | | 8 |
| 55 l 52 l | শ্রীদামে মাতেরতা চেইতা এতা কিতা | | ; | e |
| ,* | Secretary Transfer and | | | |
| t + | <u>লোকগীতি</u> | | | |
| :01 | श्वकटर नम्रोन श्वक | | | .≱.∓ (.bm. |
| 38 } | কাণারী ও কাণারী | . 2 | • | : 5 |
| 7×30 1 | হমাজি-হমাজি গাছি আহনে সাহ | | + + |) • |
| 181 | আজি আমার গেডি অইলী রামী | a East | | ` } • |
| >11 | त्थडानी त्थडानी-त्वादार वादगा त्नी । | • ૧૧ π.1 - State | | 4 3 |
| 371 | ल्यान-मधी-मनिष्ठ त्वईक्या श्वित | ere ere, er a. | | |
| 4.48 | নটিকর প্রয়োপনে ব | हेक बधा | ntere | * > |
| | নাৰামণ-নাৰামণ-নাৰামণ | ************************************** | | 13 |
| 39 1 | ना बालकति धरत गणीन | en Mar Au Contrave | *** | 53 |
| | वि मुन्दि राज गाम | Septimo Septimo | |) 9 |
| 17.1 | fanice in carcelai | | | 40 |
| 73] ****** | রি কলর শুসারি | Appendix assists | | |
| in Sa I | | 17 | 78 | |

| ১০। হরপর মূরে চড়িয়া নাছে শাকরী | ₹ 8 |
|---|-------------|
| ২০। কাণ্ডারী-কাণ্ডারী-ভোরে কররী মরণ | ₹ # |
| २७। वर्ग-वि नाराषीम् पर्ना। | ₹# |
| 4* 47% | श नः |
| ২৮। জয় বছ্ নন্দন নব্বনশ্যম | 16 |
| ২৯। জনম জনমে প্রভূ সেবা করিংতোর | ₹ • |
| ७ । बार्स, वानीन रा रन । | 29 |
| । दर शादिनम भद्रन दम ठङ्गदन | 24 |
| বিভূ-হে তি পরম কলনাময় | 1 |
| ৩০। কতিউ তি খেলা খেলার হে করনাময় | 34 |
| ৩৪। জি বলি ছঙেইশার হে প্রস্ | रु |
| ०१। टाकृषी स्मात्त्र कीवनत्र संदेशनस | \$ 5 |
| 🐽। किमारम विट्डोगा मधी यम्बाद भारत | •• |
| ৩৭। প্রভো ভোরে কাতরে ডাহরী | 9+ |
| ৬৮। হংশিপি ইমা মনিপুরে মাজক | •5 |
| ০১। মি হার না পেইন্ | 9) |
| । আজি ভঙ্গিনে এদীন ভবনে | • २ |
| ৪)। আয় বসম্ভ হে ইবা বসম্ভ | 45 |
| ৪২। আহ ভারতী শঙ্বর তরুণ দল | 9.3 |
| ৪০। পুরুবতী বিষ্ প্রিয়া কর কর তপ করিয় | •8 |
| 88। रमा पिछेति मि गो जियामी भितक | 4.0 |
| श्व । श्व प्यट्रतभूत वामी भूक कर्य चिनावी | હ |
| ৪৬। সাধুবাবা ভোরে কাতরে ভাছরি | ** |
| (ক্নাক্য এনা বারো ছড়া) | |
| ११। यम्।क | 42 |
| s>। योद मोहोत अला | •• |
| ea। १० रेखिर | 8.7 |
| e i we duyeris | #> |
| | 23 |
| ea । भीर मध्य ग्रहानि | 84 |
| eo 37 | \$ 2 |
| ea L क्यांकड इक्षा | 10 |
| | |

(5)

भूना जीर्च मनिन्त माही, মণিময়ী মোর ইমা। স্বৰ্গৰ ও জিঙে গরীয়দী ইমা ল'দেনে আজি মোর হমা। লগভাকর পারে, টেঙারার চিপে, ক্ষণজ্ম ফাপ্তর দিন, আহিয়া থেলেয়াবপা বপেয়ে कार्टिकेना इएडरेशा पिन. ইম'ব সেবায় কাংকরলা জীবন कि शन फिड्डे डेलगा। ইনার উরহান মামি বেলেয়া আজি बहेलां (फरें (फरें शहा ইমারে নাপেয়া 'ইমা' বুলে ছবারিয়া পানিয়ে বৃদ্ধিল আঁহির তারা কৰদেশ দেশে বুলে বুলে আজি হারপেইলু ইমার মহিমা গ কত যুগ আজি না দেহিয়া কাত্রি ইমারে নিংশিং অয়া ঠয়গত আজি ডাহানি মনাউবি 'ইমা' 'ইমা' 'ইমা বুলিয়া ইমার চরণে দূরেইত্ত আজি কাৎকরুরি মোর হম।।

११ बाजी, कावक गाजी, जार (यहेकमा (नो (वहेबा। ८९ क्या दब दब क्यारत > ८६ क्यारत टक्ट्या देवर्टा ठाटमक्या ষেইকগা হাবি এ নৌ দেইয়া। পাঞ্চাবী, গুজরাচী, উড়িয়া, তামিলী শাসামী রাজস্বানী, মাবাঠী বাঙালী, শাওরেরা থেইকগা হাবিষে তিলয়া ভারত ইমার গান গেইয়া। হে ইয়ারে হে ইয়াহে হর। হাহাহা-र्श्टेमा ता रह हैना दिन्छ। हारलहेना জোরদে চালেই নৌ ভাল মিলেইয়া কাতহান মৃতইতে সময় ন। লাগতয় (यमि) श्रावित्य मा इलियात मिलिया । কভিউ চেই আগ বাঢ়ি চলেছে ত্নিয়া শামিতে থাইলাং এবাকাও শিছেইয়া থানি থানি করে আগে বাঢ়ো ভাই তালে তালে নৌ বেইয়া। পশ্চিমে আজি পাগলা বৌ পানিত তুলেছে ঠয়ছক্ করা ক্রেউ উরাল দাগর পাড়ি দিভাঙাই দুঢ় আতে হাল ধরিয়া। হিন্দু ম্দলমান পাৰী খুটান, ভারত ইমার সামি একই সস্তান, ইমারকা দিতাভাই প্রাণ বলিদান 'বলে মাতরম্' গান গেই**য়া** #

हेका विकृतिका हैनिस्था जागिया क्रिशृक रहता रहता कारिती, তি পুতর মানা কাটা ভয়ারিয়া किनाहाका अमा वृत्तिती । যণিপুর মাটী ড কতণ দিপুত হাবিতাত অরা বঞ্চিত মনেই: ৯ জিংভানি ইমা পালরানি বুক বুজে জ্ঞালা স্থিত অভাগা ভাকরে দেহে দেহে ইমা আহির পানিয়ে বুক ভাহিরী। মণিপুর বেলেয়া দেশাস্তরী অস্বা থাহলাং নিজর কামে মজিয়া ইমাপাছরিয়া ইয়ানাদেবিয়া পাইলাং আভিও ঘুমজিয়া অয়া স্বার্থপর ইমা করলাং পর মাহির পানি ইমা পুছিরী। আমি জিপুত নানিয়ে ইমা না ভজানিয়ে ইমা শইলী কারালিনী ভেদাভেদ বেলেইক হাবিয়ে ভিলইক मारकहेक हेमारत ताकतावी, ইমারে সেবিয়া ইমারে পুজিয়া (महिक देशांत्र चाहिती।

e leading of the

वाह - बार - बार विक्शिशा बाह, विकृत एक विकृतिया बार देशात (नवा कविक। देशात (अरेश: (उद्या बक्रियान (तरन्या

টমার মেইখং চেয়া মজিমান বেলেয়া ভেষাভেষ হাবি পাতরিক।

क ह पूत्र व्यारम हैसारत (बरनज्ञा) आरहिक्तिह (छहे एउटे हाता बन्ना (व्याभाव हैसा स्नहे बुलिया (नवहेनाह वासि

আভর লাজহান মৃংকরিক।
আমারে নাপেছা নিজর স্বাচীত
আমার ভেটব্নির মূর পড়িল মাটাত
ইমাঠার পাচরলা কভিউ ভলইন।

ভাষরাং পাসাল বরা ছিক।
ইমা পাতরলে কার ব প বুলিয়া
পরিচয় দিভাঙাই বুক ক্লেয়া
হাবিষে ভিলয়া ইনার দেবা করিয়া
ইমার জিবুত বুলিয়া পরিচয় দিক।

()

পুনা ক্ষি ভারতবর্গ জনাক্ষি খোর ইনা,

থানি ও জিতে প্রীয়নী ইমা চরণে ক্ষেত্রি হয়।

উচ হিমালয় ওল মৃত্র বুরে কল্মল করে,

বিষাট সমূল ক্ষি নম ময়। ভোর হোনার জাত ধ'লের।

প্রির পুনা সিতু রামপুত্র ভোর গায়র জাল ভালি,

বিভা সাজপুরা হোনার ধরা হালাদের ভোর কালালি।

বুজ বুল আলে মুনি কমিনে প্রচারিলা ভোর মহিমা,

শালিও মি ভারতে ইল্মা কাংককরি হোর হ্যা।।

बात कडिया बाहेर एहे हैंगा क्षारम (सर्वेशः न्यव्या ভোৱ, ভিণ্ড মান্ত মাইলা বুলিয়া नकाइनी कि हैया जाएक बाकशा ? हेबा. याकिक द्वारत कारमध ना हिन्ला, चिनुरू ६ (अस्त ना फिर्स्ट हेन). भारतक किम्हर टकाटत महितन। ने इस्त कि शहरन पृत नरका। हेथा, तहांत जिल्हा क कि है। ना कानि with face face bish e'fa इंदर्शत (सम् कराबि. भाकित अ'डे' न हेमा छ रा मांक^ररम'। *48 No'4 . NA * BA 'क र'के ग्रांत (सह ८, राज प्रक्रिय भशीवभी बानी (कांत्र ल हैंसा कियाका बार्टल बाक्टिक गार्टिका ? কাটার জাবদা ভি গোলাপ স্ল, বনর হাদিত না ছাডা ফুল, कांद्रेश एक विश्वा (भारत्यक्षा कल চাতনে গঙ্ল' গঙালের।। व्यक्तिम् भाउत देश किकाती क्या -"(यादा बहेनाडे कार्डानिमी कतिया. ভোমার, অজ্ঞান লানসার বলি অয়া, আজিও থাইলু মোর আদন না পেয়া।" এশ্রুম, মাত্নে ইমা বছ হয়ারে -

" uta al elu qui d'ella, ala cui fua fugla glavas celula Buig cui sa se en Pull"

ভাগতর মহান ছাতীয় পতাকা श्रदीम च।तक देगात -लाकतास अपना श्रीनय उन মাদাংপা ভলে ভার। বুকুর ধলাত আংশক চক व्यान वाद्यी वृत्तिन। शास्त्रन ্জাতির পরিত্র কিবটা পদাকা कत्र कर वस्याव মুনি ঋষির ধ্যানর ভারতবর্ষ (कात) च नर्व भीकार त'वी. (शंकर्ता दर जिलाहन नहें न जागव स मैन शकि। ৰুদ্ধ গৌরাজার মালক ভারত ু শামা নৈত্রীর পূছ বী গেকিয়ার ভলে ধলা ব লাইল শান্তির নীতি মহদবি আদৰ্শ রাজা মহান সংশ'ক প্রভার মকলক'মী बलाइ वृक्क अरनाव-ठक শেশ তার সহগামী। **यरत पूरत ब्रुड** संघ'न १ (मन् শ্যামল বরণ ভার, कहुता तरह देगार क्षकान িকিডালও তুলনা নার। এ ভিদ ৰঙা ছাতীয় পতাক৷ मानाक ठळ नहा म्ब मन् मन् क्वटमन् दिवाक। क्षा विवाद सुद्ध साइहा

(5)

जानकान यांगा वित्रामिनी, कृष्ण वन (धार्किनी । कुलकर्त याजा शक्त गमनी, कुक्क प्रवादम ड व हर्ग मार्ग लाभकार भाग राज्यक्रिमी। बक्कत कै'है। निध गा इसहस' ६'८६, कठिन भाषिता । उद्यासन मृद्ध, ৰিভুল_া না অয়া চ'বিৰেদে 15য়া मा ',गरनग', क्रमः मा (अकेर गर्ने पनि। হোমার আঙু লি কভিউ কছাল।, লেহ'টে ম'নচ হ'য় মুনিশাল. লেহাউনি কৰিয়া কানে পিধ্লে ত্ব'রভেট কুফটা দিব। করানি । ক ভিউ হোভাভা চলক বেনী र्नलकेटन मायदक् राम करो, कनी मिट्ड (यसी शिकाल यस बी किमारम इकद एए। शामि॥ के कि कि कि मान विक्र भारत পেছির। বছর পাহীয়ে কতি**উ মনেইতা**র। **ফু**তির চুটিগল বুকগ গুরিষা। 👓 ভাপ করে কাকেই রেলা ধ**নি** ৯ কপালে ডকছকা দিন্দুরর কেটি।--त्महें गढ़ वा नि । गरे। गरे। मिन्द्रत त्वरिया रहत माहिता तारस -विकास कराके कि कंपनिने।

. . 1

ভাগে প্রত্ন বিশ্ব বৈশ্ব বিশ্ব বিশ্

101

রাধা থমকি থমকি নাছিরী।

কুবন মোহন রপল নাছিরী।

রাধায় নাছিবী মধুর ভঙ্গী করিয়া

রুষণ্য বাজার বাশী মৃকছি মৃক্ছি দিয়া,

রাধার নাছ দেহিয়া ময়্রী ও নাছিরী।

রাধায় নাছতে নাছতে কফরা: ভাইরী, ঠকরিয়া

কুষণ্য নাছের তালে রাধাবে কলকবিয়া

রাধার কফরা ভায়া ভায়া নাছিরী।

রাধার কফর চবণ পেইতাভায় নি করিয়া,

হুমা দিতারা গাছে নাঙিয়া নাঙিয়া

রাধা কফর দেবাত লাগতাভাই নিংকরিয়া

গাছে ছাতর ফুল গতে গভালেয়া

রাধায় ফংলি ফ্ল জ্রাত পিধিয়া নাছিয়ী॥

1 0 1

्यक्तरी वार्षिकः विकासी वार्षिकः विकास विकास सम्बद्धी ।

fo selecto fo bound

ि वार्षात कात का नामनि द्वरे

Berge Rei Lacioni alecti

জ্যে ভারণে খোনক থোন। লোভ বাবনি গায় করে,

পাৰ পাৰ কোন বোষ প্ৰারী আছু পোৰে যি মজিয়া পাইকো উক্তেই অয়া বেভেয়া পাইকো

তি ভনতে জনুয়ে বোর গ্রেম গুড় বি অটলু ভোর প্রেম ভিবারী

श्रम द्वार दवार दवर प्राही

জোৰ প্লেয়ে মি ৰজিয়া পাইতো উজ্জুত জনা বেড়েয়া পাইতো।

শাৰণ কো হণ ঠয়তে আকগ, শিৰণিৰ আ নেই ছাড়াছাড়ি শাৰ্কিৰ নাম গে তিয়ে,

> क्ष्मां के क्ष्मां का कि कि । क्ष्मां का का कि कि कि कि

आंश त्यांदर कांना ना पिटन आंगा। ভালাগু ভালায় গেলগা জনম आह ना फिट्न विश्वन काना। चरत काला नमिननी वास्त कलकिनी, জালায় জালায় থাক সমুগ **किककदारम काला** । ভোর পৌবাঙে ঘর পাচরিয়া আহির পটও না বেলেয়া চেইতে চেইতে আহি করের জালা, ঘরে জালা, বারে জালা হাহিত জালা, মূবে জালা कामरङ कामरङ वृत्क करतत जाना ॥ মার কতিউ মোরে দিতেই হালা ভালায় ভালায় গেলগা জনম वात ना मित्न विश्वन खाना। তোর বাঁশীর রবে রাধা বুলিয়া ষেবাকা হন্থরী विजून। जम्रा पत (राजमा वनत राथ हेलाडी মি অইলু চাতক পাহিয়া কালা বরণ পাউরী চেয়া বরণ কোটায় থাক ঠয়গ किक करतरम काना॥

এণামে মাতেরতা চেইতা এত। কিতা काष्ट्र हैगात छेरत अवाका । ইয়া আছে তায়তা হাবিরে দেহার তা ষেন আরক। ইমা নেই কারভা। কভিউ লাজ নেই চেইত৷ ইমার উরে ধারতা, পিলিক পিলিক গাহিল চারতা (**আমার)আহির পানি** এডা কিডাউ কানা নাই**ল**ডা **(ভার) বেভা**র এহান চুমচে <u>ভা</u>॥ কানাই কিয়াকা না দেহরতা চারিবেদে চাতা, গোক এ হাখা রহিতারাতা, বনর কথা উতা কিয়াক। পাহররতা ইমারাং থায়া কেপক কররত।। ইমায় নাদিরিতা কিয়া মিছা যাতরতা, মিছা মাতলে পাপ নাইভয়তা, কিয়া না খালকররতা পাপর কথা উতা উতা হাবি মনেত্ত বেলেত। । ্ৰানাই ভি কিয়া হান না পানতা বুগা হাবি এত তি নাইলে গোষ্ঠ না চলেরতা, **তোরে াবিনয় করুরিতা উরে না** পায় আরত। আমার আশা প্রাদেতা া

(9 1)

লোকগীভি

গুল হে প্রাস গুরু বিপাকে পড়িয়া ডোৱে ভাভরি বারে বারে। 😘 তারে ভাতরি বারে বারে। ভোর দয়া বিনে ভব সাগর शान्हे- छो थि किमास करता। **পেও**য়ার কডি আছে যেগরতা পারর ভাবন। নেই ভারত। মি কড়ি বিনে আহিলু ঘাটে ষানা হরারলু পর পারে। ত্রস্ত তরন্ধ দেহিয়া থর থর করে কাঁপের হিয়া তোর জাওর খোয়াভ লইলু শর্ম তোর চরণ ভরী লালকরক্ মোরে। मार्वापिन काछिरेन् द्रमाय খাল ককরি এই সন্ধা বেলায় অসমষে ভাহরি বুলিয়া ना ঠिला फिन् मृत्त्रदेख स्मारत ।

করেরী - ব কারারী
তথ্য কর্মার প্রবর্গ ।

পারর কারারী, জোরে ক্রমার স্থাপ ।

কা নামর নামন্টতে আবি:

প্টাদু হোর পরণ । পারাধিন কাটেউদু যেলে, তবৰ যোৱতা গেলগা বিকলে, ভাতরি এবাকা নয়ন ছলে,

শৃঙে দেভরি শ্যন ।
বিচিন্ন ভোর নীলা খেলা,
শাচানক অরা চাউরি উ ফেলা,
কৈলা হাবি করিয়া হেলা
বুধায় কাটেইলু ভীগন ।

বুৰাৰ কাচেকৰু জানন চ
(আজি) বেগৱে রাজা হংকনিয়া,
(জারে) কালি নাজা কিন্তর কাঙাল ক্রিয়া,
(জোর) নীমার অক ধারণা ভ্রানিয়া,

বান কছরি অকারণ।

হালা একা হীন ক্যাণ,

তার হাবি ভোরাখতে ন্যান,
ভোর নাহে আর কোণে সহান

তার পালাপে হিন্ রাতুল চরন।

हमाकि – हमाकि गाहि आहर आहे! नित्मा पिया, नित्मा पिया, त्वादा तार्दहेक आहे। भारत्व आहे। आहे। हाविष्टांम आहे।

ও -লৌশংপী গিথানক
ভাহিয়া হাবি ভনক
না করিয়া কেথক
বৃদ্ধিয়া গোৱার কক
হাবিয়ে ছালয়া আহ ।।
পাংচেৎ আটা আটা হাবিহান আহ ॥
ও – হেইশিংপী গিদেই
কালে দিয়া চিকং লেই
চারিবেদে কি নাচেই
গাবিগ কালা
নারগ কঙালা
এলাদিতে বথালা,
নেরছে হো পাত,
পেয়া লুছি ভাত

সেন্ধাউ কাকালিত বাধিয়া মাহ সিংনা দিয়া, সিংনা দিয়া রোৱা রোৱেইক মাহ।।

হৌ গাঙ্গ মদলেই
পিথিয়। মাকাকলেই
হাবিরে চিঙ্গা
আহিরী নাছিয়।
নাছিয়া নাছিয়া
বোরেইবী হাজিয়া
গৈনের মাঝে তেই
না থাইরি পিছেয়া
তেইরে জিংতে হাবি আহ
দিংনা দিয়া রোরা রোরেইক
দিংনা দিয়া রোরা রোরেইক
দিংনা দিয়া রোরা রোরেইক
দিংনা দিয়া রোরা রোরেইক

* }

माकि मानाव (च हो महेंसी प्रांगी)
हमात हैमांकि फेरिया नागनी मांघानी।
सिति निति तो व हैमांकि (महेंगा फेरियया),
वर्ष कर्म के मांघिती के समात्माता,
दो भर महंगी किया मांघिती दर्शनिया,
वंशक्ति कर्मांश भानि।।
विद्यास (चल्कि हमांद (महेंदा(स.
तम्का (जहें मांघिती सो मांघिती हात्स हाहते।
उन्हेंद्र (सहिया हात्सो अ त्रास त्रास हात्स हात्स अवस्था मांघानि॥

.

(परानी, (परानी - कांत्रार शतगा (नो (वहेंग्र) । दर रेमा त्व 🕫 रेमात्व दर हेबादा दर हेबा देवता ठालाहेबा क्लाबार बातभा त्नी त्वरेमा ह मिक्त बार्ड्ड भागना हो, बुवाछ बुवाछ छ। दश्व विज्ञा नागा वि হয়া দিউরি ঘাটহান লাল করে দে তোর हनाइ बद्धन (मो (बहेड्ड) ह अं हेवादत एक हेवा दिनी हारलहेवा तीत नाव भाग नातहेगा, वोगाव निया तथा स्नाव त्यवानी क्षात्र कीयन वानी वाहकरेशा । क्नाम द्राष्ट्रा शिव टानामा मान्सा 🐃 ৰশাৰ থিশা আমি থাইদাং পেচেইম द्रशेष करति क्यांत निवक त्यांत क्रोबाव क्या को हारबहेश।

श्रीम भूगि श्रिक्ति एवँ स्था श्रीत अ भाभ भूगभूता।

हेत्रण भवरणी किनारण भूगि,
श्रीन भूगा विश्रात ॥

(भाभित्र) वैभिति (वो-(वद) इर्थडेस्न कृष्ति ।

रेभ्या मा श्राकरत्त श्रीरंग (अस्त) (श्रीवाद भ्रिस्ति ॥

(भूगव) (श्रीवाद भ्रिस्ति ॥ (इंडस्क) भाषा

তৃষিত নয়নে।
পানি বিনেচাতক পাখী
ক্লম্ম বিনে উদাদে দপি
বনর বেদে চেয়া খাউরী

भामित कांगरण **।**

মেঘ বরণ শ্যাম অঙ্গ উহ'নে চ'উরী বদু সঙ্গ যমুন। পুলিনে যেইকগা

পানির সন্ধানে ।
(শ্যামর) বাঁশী – জানে যাত্ স্থি,
(জার) রূপে নেরগা ছিয়গি আঁখি,
এ ছিয় আঁছিল চেইতো স্থি
উ বংশী বদনে ।

শাউকর প্রয়োজনে রচিত এলা

साहाधन-माहाधन-माहाधन

स्था मध्या मध्या मध्या माहाधन

स्थाम (कारत माहाधन

(कार मीनान अक मा (नदा कीरन

गोनकत माना आकारन ह

(कि) कारत करत हाका कारत किनानी,

छेरत ज्ञान कारत प्रशाभग्र करि,

कारत पिग्रत कि हतम छःन,

छोत छःथ मात मिनातन ह

इःथी करत छःन पिग्रा,

इःथी करत छःन पिरा कि

()

না পালকরিদ ধর্মর সন্তান
না করিস্ আর ভয়।
কেইত্যুগা তুর্দিন আহিত্যু স্ত দিন
ধর্মর নাইভয় পরাজয়॥
না বেলেই আর আহির পানি,
ধর্মর কয় এই শাস্তবালী,
ধর্মর কয় এই শাস্তবালী,
শর্মর মেইডালে বেইড্যুগা আগার

মি কুর্তি বলে বলে।

মন লোৱার নেয়া আপ্রয় চাউরি,

সদাশয় জনে জনে, দ

ইয়া বাবা নেই, নেই আপ্রয়,
না পেইখারা মোধ কোন পরিচয়,
মোধ আপ্রয় দাখার পরকালব ভার

নাউরি মি স্থাখনে দ
প্ত দেউরি জংগার আহিব পানি,
বিপাদ খাবে না দেউবি কাদানি
মনে পাবে বাবায় চার বিগবে,
নিভারাউবি হিল্বনে হ

(8)

কিলাদে মি দেইতে। গ।

প্রাণ মোর উঠেব ক'দিবা।
আহির পানিও না দেইরি পথ

কোরাং মেইকোগা মি চলিয়া।
ইমা অয়া উরে কোগের লইতর গ
বাবার আদর মোরে কোগের করতর গ
'সগা' বুলিয়া মোরে কলকরতয় কোগের গ
হল সাগরে পড়লুমি ভাহিয়া।।

(4)

মি ফলর পদাবি ফল বেছিয়া
বুল্রি ভবনে ভবনে।
ফল বেছিয়া দাম না লউরি
কেম চাউরি জনে জনে।
শেতাম মোরে নি করতার!
মনে প্রাপে মোরে কেইডারা,
মোর মাত মোনে কমন

হাপর নূরে ছড়িয়া নাছে পাকরি

ছিয়ানিশি হর্পর মূলে

ঘুম্বিয়া প্রাক্তির।

ছিয় বেই মহনেই

হাবির মূলে মি,

হুম্বর মুল ককরি মি।

মায় উঠিয়া খার প্রানবক্ধ

না পার খুম্বজিয়া
ইমা বাব'য় কালা প্রানে

পাইলা তোরে চয়ণ

নাপায় খুম্বজিয়া

মার উঠীয়া

(9)

काकाती - का छाती - (हारत कक्र व मारन। শারের কাণ্ডাবী, তোরে করুরি খাবন। ৰুব স্থাগর প্রাডি দিতে লইলু তোর শরণ ॥ मात्रामिन त्जात जीजा (अजा, मृक्ष विचात (छडेलू हे (अना), িদিনর শেষে উপায় না দেহিয়। দুইলু ভোর শ্বণ।। কারি মাতিল যেগ রাভা পাঞ্চিতার কটে লা সভা, त्यमतः सामात्म विष्य सामानाः ্ৰাপ্তিক ভার আইন আশান।। 4(e) sel 3/ex 2/e/3 व्यवस्थित साहित्स साहित जिल्ला मान पत्र विद्याप पांडावी जिल्ल ini ndi caja niya pa4 ji একা

বসন্ত

क अ भिक्ष सम्बन्ध स्वयंत्र भागा । ब्राणांश शाल्यम प्रकारन गामि । পত্তিত পাৰন জীমগৃত্দন গোপীক্ষম ক্রাণা রাম। কিঞ্চিনি কিনি ছপুর রহেয়। মোহন বাশী বাজেইয়। চ,ড়াভ ময়ুর পাথা গলে বন্মাল। কাকালিত হোভা পীতধরা, আয় জীবন নাইয়া প্রাণ কানাইয়া मि छेति छत्रान खनाम ॥ ব্রন্থ বাসীরে জিংতার কারণে ধরেছিলে গোবর্দ্ধনে, গোপীর আশা পুরেইতে उपनौना कतरन করি আশা তি নাপুরার বিপিন বিহারী হে গিরিধারী মোর গজে নায় বাম ॥

জন্ম জন্মে প্রাভূ দেব। করিং ভোর রাতৃল চর্ন দ্বিয়হানি। মন্ত্রকালে খেন তোর ধোরা পেইংনে নেয়কনে মোর হিনপানি॥

ধূপে বৃগে ভোরে পানার খোরাঙে শবিষে কাটেইলা জীবন টেঙারা চিংথাঙে তব্ ভোরে না পেয়া ভাকভারা আর মুঙে বাগাদে কিসাদে ভোর দেহা পানি ।

वन अभितेत (जान प्रक्रित स्ट्रांस १९ वर्गात स्वाहित (जाटक (जाटक निक्कांस्वा उर् वा त्वक्षत वि (जाटक विद्यादाया) भाग क्षि (जाटक विद्यासामि ।

तारम, दीशींग राग स्म । '(बारत) वीनीम बारम रम स्व ४ ्यात शामाय जीवन वांनी विस्त ! বুলীগ মোব পঞ্চ প্ৰ दांनी विस्त वि शैन बाल (মাবে) বাঁশী ও করেব জীবন দান ((মাব) तृथा জीवन बाँगी विस्म । তেবা নাইলে বাতি যেমন वं भी वित्न क्रक (इमन বিমোহিত বিশ্বভ্ৰন মোৰ বাণীর তানে। (बाट्स) ८ शव मार्ड बाँगी माधा, ইগ্রামে মি ভোরাং বাধা, वांनी ना निया अला वांधा. তিন নাদিনে প্রাণে ॥ গোকুলে বজ বাদীর কারণে, গোক রাভরি বনে বনে, किमारम लीला विश्रम, (Cমারে) वाँ नी भिन्ना जाना भुता रम स्न ॥

তে সাহিন্দ শরণ দে চরনে।
ভারে ভাঙর খোয়াত শরণাগত মি
ধন্য করে দে আপ্রয় দানে।
গঙ্গা বহের যে প্রচরণ বেয়া,
কিয়াকা ত্বে পাউরি ও চরণ চেরা,
এ কিতাপ আলা মুখেরে দে প্রভা ভারে রুশা বারি বর্মনে।
ভিন্তী বাহরা নার শক্তিক
ভোরা কিলা চেইনে কিয়াকা লাভিড
ভোরা বিকাশ ধরিয়া বুরিয়া মরলে
ভারে শহিতা ভারে।
ভারে শহিতা ভারে। বিজু হে, তি পর্য করনাম।,
তোর মধন করর পরশে করর
জগং মধনময়।
তাপিত যে জনর নেই কোন আশা
এ শংসারে তার তি মাত্র ভরসা,
মক কদি ও তি পূর্ব ব্রহা,

করব অশান্ত জীবন শান্তিময় ।

ছনিয়ায় বেগ অধন পতিত,

শব্দেও যেগ দলাই বঞ্চিত,
তি দশ্দে হীনর প্রমাব্ত,

উহানে ভোর অ'সল পরিচয়।
মাহ মায়ার আঁষেরে ছেরিয়া।
মাজে না দেও র পথ বিহারেয়া,
দেচাদে অধ্য মইও,ক দিয়া।
অভাভান কহলু আভায়

किन्छे नि (यम। अनात (ह को नामग्र होत नीनात चड़ मा (भग्नात । कारत खाहबात कारत काहनात, किमारन नीनात होका यूनात ॥ को तह स्थला (यनात सकि निग्नत तह होता। स्थान को तह स्थला (यनात सकि निग्नत तह होता। स्थान का नामग्र को तह स्थला (यनात सकि निग्नत तह होता। स्थलात कारन मिश्रा जिनात जुनि क्षित्रके कि सहहरे भाग ভি যদি ছাঙেই পার হে প্রাক্তা,

মোরে ছাপ দিয়া

হবে তাপ মোর অ'ক চিন্দার্থী

হ'বে ওককরণো বুকপ প নিয়া

হপে তাপ কায়াক মোনে কর হয় হান,

হবে তাপ কিয়াক মোনে কর হয় হান,

মানব বেশন অ'হিলে হে নাপ

্নারে কল করতো নিবিচ কবিয়া দ

থান কবে'র'ক নোর মোহন বাঁশী

উত্ত মোবে কবক প'বর

অন্তর্জন কলুল মুংকরিয়া;

বিহিত্য সাব্য দ্যাল কবি

অন্তর্ব কলুব মুংকরির।।
গতিত পাবন দয়ালা হবি
শানাপ্র বঞ্জতি বাদাহারী,
বানার ভিতরে তোর সেহ প্রশা
পাড়ার বেন বিভারের।

প্রভূজী মোরে জীবনর মেইপ্রাল দে।

চান থাহনরপে দ্রশন দে।

নব জলধর কান্তি মেইপ্রেড মুক্ছি

গলে বনমালা, আতে মোহন বাঁানী

মিনতি জলনি হে গিরিধারী

afan dien Salen minier Angen (Andles Goden minier and entlich minier des gen fant derni fannen eret en i ক্ষিণানে নেইভোগা সনি বন্নার পারে,
নামল বানী সনাই রাজা বুলিয়া ভাহিয়া
নামল বানী সনাই রাজা বুলিয়া ভাহিয়া
নামল কাজিয়া নেরগা পাগল করিয়া মেপুর
হার বৈরী ননালনী সন্সায়ে চেয়া পাইরি,
চেয়া চেয়া ভেই পাইরি
নিলারে বেইগো ব্লভে উপুর অর বৈনশ্
ভাতরে সনি মাভনে মোরে
কিসালে পেইভো তাঁরে।।
মঙ্গা সালে দেহ মোর অইল ক্ষা বিনে
এ ক্ষ ভাপিত দেহ ক্ষা নাঙে শীতল করে দেহকে
ভিয়া সনি আনে দেই নে প্রাণ প্রিয়া সন্পুর

প্রতো ভোরে কাভরে ভালরী।

ইমা বাবারে ভাহিয়। না পাউরী।।

ইমা নেই, বাবা নেই, কোণগউ নেই

উহানে ভোরে কাভরে ভালরি।।

তংশর জনম মোর কপালে.

ইমারে না দেশলু কোনও কালে,

বাবারে হারেইলু কনাক কালে,

তংশর জনম কাটাউরী

অনাধ বন্ধুবাধাহারী,

কৌর সম্বর্ধ বাধা জানাউবী,

ছংশিপি ইয়া মনিপুরে মাভক কোংগ ইয়ার মাদল পুত্ৰ বিশু ভিয়া, না মেইভেই. না মারেকৈ অপে কেপ্রপ্র মংকটে প্তিরা আংককরি মি ইমা, না আনৌগ মালক ভি গ প্লেকবিয়া পার নাপাইবি সাজি সামার মালক কোংগ² লগভাকর বৃক্তে পাল্পাল ফুটলে, यत्रद्वा (त) निति निति पित्न. স্থানিপা গ্রহানে চারিবারাব বৌ ভরী মইল দেবকো, হারৌপা মনে কিলাদে জিপুত ফুল ভিড়িয়া লগতাকর বুকুড আহিয়া নাছিয়া ক'নে, জ্রাত ফুল শিখনা প্রাকাণ লগতাকর উম্ভরে টেরাবার চিপে ৰাছিলা বেভা ভাৰুব ছেপে ছেপে মেইতেই নায় ভাগ, ভোর বিপুত, আয়ারভা নেট সংশন।

আছি ভালনে এদীন ভবনে
আহিলে ককণা করিয়া,
হে বভাপতি মহান অতিথি
ভোৱে ভককরতী কিতা দিয়া।
লেইরাপা ভাতে জনম আমার,
কোন ঠোরাং নেই তার পূজার,
বরণ করানিত আহিলাং আমি
ভক্তি চন্দন অর্ঘা দিয়া।
মনর পৌরাভে নাজেইক বুলিয়া,
শাজি বুজেইলাং গল বিছারেয়া,
ভ ফুলর মালায় বরণ করিয়ার
পিধেদে কুপা করিয়া।

আমুবস্তু হে মুব্রাবস্তু েশরে ভাতরি ঠয়গর। তোৰ আগমনে হিন্তঃথ ককটল ছারৌপাব নেই অস্ত ।। (দিলে) চরাচরর স্থপ্ত পাণে স্ঞীবনীর প্রশন জাণিয়া উঠিস ফুৱা প্রচতিত ভৱাব্রর হর্ষণ, হারৌপা মনে আয় বসস্থ কোরে ডাভবি ঠয়গত। কোকিল ডাতের পঞ্চয়সূরে কাড়িবা নেরগা মন, হাবির মনে দিল দোলা কনাক দিনর প্রশ্ন, এডালে হৌডালে চেইডে কোকিল ্লকেয়া ভাতের কোরাংড ? वृद्ध कृत्र कृत क्रम क्रियात यनित श्रुपत्न, क्षण व हम क्यूक क्यूक क्यूक व्यवधारा गर् वार्यन. गुरा कात हर का रशस वैद्याम प्राहरि स्थान । रमानिक समय स्रीय स्थास्त्रक हैरत कालिक स्टॉर्का नाविभाव प्रकार श्रीवाम अनुविष्य एवं। स्टार रचना

আগ, ভারতী সংঘর তরুণ দল, क्षा भागत (मनक क्षेत्र) চাজ'র করে কুলিক গাজি अन्यद अपूर्शन ॥ আমি সংখা তকণ অক নী দল श्री का जरक रग'लांभ मन গোসাপর হালে গতে গতালেয়া, বাচেইক সংঘৰ মান।। क' ६ ननी डेबा विकृतिया भाभारत एउड़ित किन न जाना निशा, ভাৰতী দেবীৰে পূজা কৰিয়া প্টক ইম ব মান काव और अर्थेव अप आरमा মৃৎকরক খ'ন'র মনর কালো हैयात यांनीत्म 'नक्नका तम्बत স্ভান জন্ধনি। ভারত্ব দ্রুল ভক্রী দ্র (मन केशांत स्मतात et'd **उक्**ल, ভাত্ব ভালে জাঃ মিলেকা করিক ইয়ার দেবায় আত্মদান। कम्भ नम्भ कांत्करे त्राबहैक আগ বাঢ়িগ। হাবিয়ে চলিক, মাকাশ কাপেয়। কঠে তুলিক ভারত ইমার ধরগান।

भूगानकी विक किया एक कम उन कतिया मना करेंगी सन्दर्भा त्यान বিক্তিয়া হণিগুরী -বিসালে পুণা কাম করি मार्कक क्रमम् कार्य क्रमा रमगा? পেইছো বে বিরক্ষ কণ। কণা পাছরভারা ভব মন্ত্রণা के विश्वकत-सन्य भाषात्र भारकः গ্রিকর প্রের বেয়া এক শইলা বার-পেকা भूषा इत्यहेश सामात ममादको ভোর ধার্থক নাং ভূবনেশ্বর শঞ্চ বিষ্ণুপ্রিয়ার প্রম ঈশ্বর কাতহানৰ তি চরম গভি, লেইরাপা আমার কিডা আছে আর নেই আরোজন ভোর পুজাব ক্ষাতির হয়। লংগ গিরক ভি। জাতির সঙ্গটে কাতিল কাধার পগর সন্ধান লা পেয়ার জার খাইলাং স্থামি খাঁধারে পড়িয়া ইঙালঙাল থংমেইছান ডি ডোর মেইঙালে ভালকা জাতি আজি বক্ত অইক ভোৱে হ্যা দিয়া।

ragina di Maran Baran di Kabupatèn Baran di Kabupatèn Baran di Kabupatèn Baran di Kabupatèn Baran di Kabupatèn

cots estatus de la companya de la co

লাখক তেরে ন'ত ন গান্ত্রানক।

তাতহানরে জি হলে আন্দর্শন

তাতহানরে জিতা করোহলে গিরক

তাতহানর ভিজি ল'দে,

যোর হনাহান ল'দে।

ভাতহান বেবাকা জুমজিয়া আজিলা

রজহকারে লেকেরলে এলা

ভাতর ধার ভ্রহান কালে বিকে বিরক

हरू व वहा वाचान करण

মোর হমাহান ল'লে কিল কিল কি চ্চতে ব্যক্ত জুলক ভাতহান ভাতি সহটে কিছিয়া প্ৰকৃত্ত কা কু কু কু

ধনা নেত্রেলন নালী। প্লান্তেই অভিনাতী,
আংলাজিক গীতিকালী কিছি:
ভালনৰ কাৰাজন কিলালীৰ ও প্লাকানে
আৰু নিজন লকা অপরপ অভি
নাল বৈজন লকা চনতে কভিউ ননোলোভা,
নিলেক বি নৈজন চনাল।
গীতিকালীৰ ছবি ল'নে কিজিজভিলাৰ মনে
স্থান লগ কথ নিজ স্থান ।
আৰু ভটিনে প্লা ও লগনে
গীতি কাৰীৰে জ্যালিক আহনে।
ভাবিৰ কাৰ্যেৰ কাংক্ৰল জীবন

জানির কারতে কাংকরল জীবন ভারে নিংশিং অসা কমা দিক সাহনে। বেবাকা মণিপুর বেকেয়। কেশাভরী অয়া নিরাশার আঁগারে খুমজিলা জাতহানে

বস্তু ক'বে এলার করারে,
ভাতির আনে দিলে প্রাণে।
প্রিয় চারণ কনি বিক্রপ্রিয়ার বনি
ভাত পেলেগা ও কারণে।

দাক্ষণ এ আধারহান বিশ্বপ্রিয়ার হাগচান
আরাক উদয় সরা ভাল করে দেনে ।
ইয়া বিশ্বপ্রিয়া ঠুনিংশা ভাগিয়া
আদিরী ইয়ার জিপুতর কারণে,
ইয়ার সংশিপাতি পুতক ভাতর কৃতির ধারক
ভোর বেয়াশা বেইবুনিরে

भावका करत (गरन ॥

দাধুবাবা তোরে কাতরে ডাওরি। ঠয়গর আজি প্রণাম জানাউরি॥ ডি আজি নেই আজি নেই আজি নেই –

প্রভাবে ভোরে কাতরে ভাতরি।
আজি তে'র নিংশিতে হাবি বিষ্ণৃতিয়া
ভাতরেইতারা বুক কাদিয়া কাদিয়া,

শাস্থা নগে আত জোড করিয়া ভক্তি প্রশাস্থলি ক'ংককবি।

ে ব ক ং লৈ ক'ছাল আৰু ব ক'লালৰ বাগা জ'নাউবি

তি আজি নেই – আজি নেই আজি নেই –

শুঃ দেন ভোরে কাতরে ভাষরি।। ভাগ্যব জনম ভোর কপালে, গোবিন্দজিউর কুপায় ধন্য অইলে,

বারপোরারে ধন্য করলে

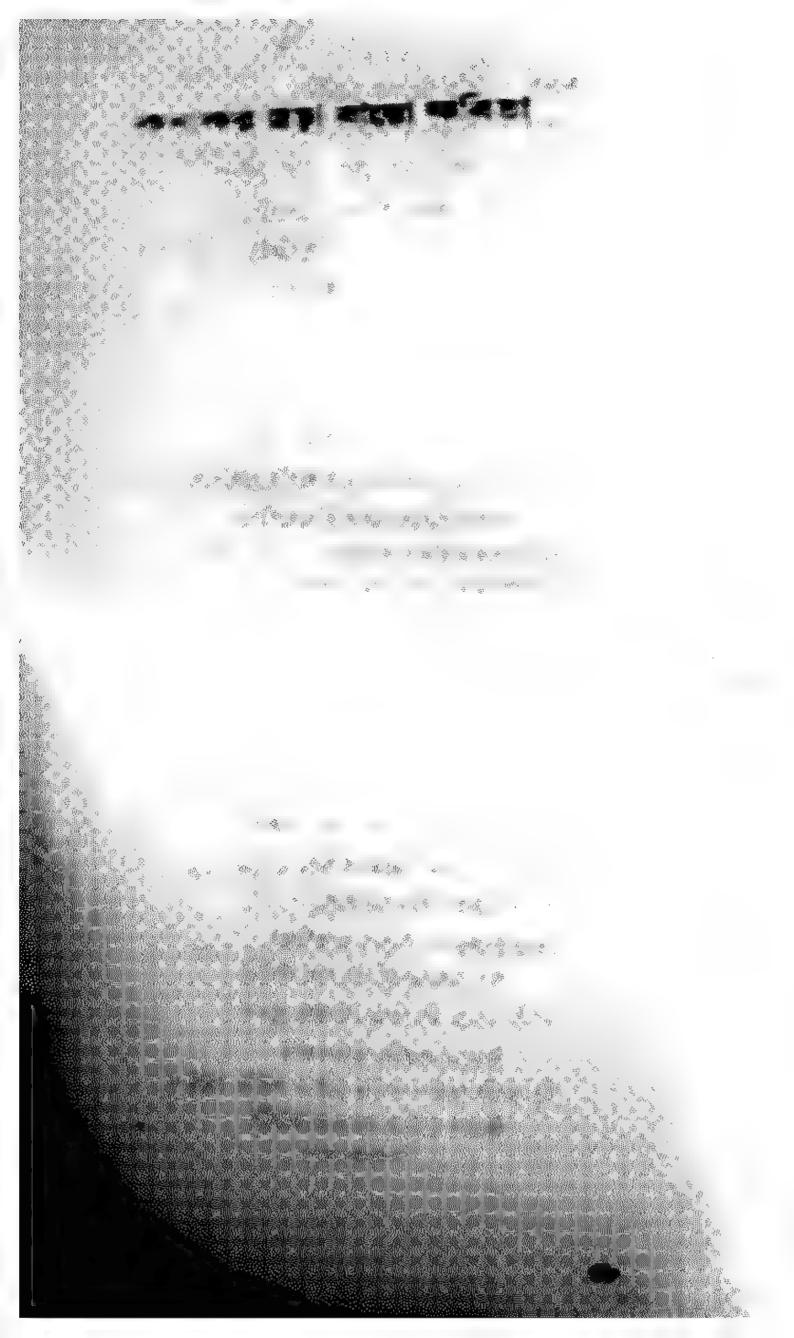
তোর নাং লয়া মি – ও ধন্য অউরি, শ্বনাম ধন্য ভ্বনেশর,

শাজারাং **অয়া** মি হমা দিউরি.
তি আজি নেই আজি নেই
ভানে তোরে কাতরে ভাহরি।

জাতহান আজি সঙ্গটে পড়িয়া পথ না দেহের আধারে থায়া,

তোর মেইঙালে আধার মংকরিয়া পথ দেহাদে ব্লিয়া হমা দিউরি আজি তোর নিংশিতে আধার মৃতক

উহানে অঙলি কাংককরি তি ঘারি নেই – বালি নেই – মালি নেই – উহানে তোরে কাতরে ভাতরি



45 × 145

মি হাবিরাণত কনাক

ইমাষ ঠয়গত বানাপেয়া মোরে

মাতিরী বাতিকাব ছোনাক,

মি হাবিরাণক কনাক।

মি মতে হাবিব পূলা
কোন কামরগ নাগয় বুলিয়া
হণবিএ কর হার। হেলা,
মি মরে হাবির খুলা।

মি ঘরর মাঝে কনাক ক্লেন্তাব লগে খেলানি মনাউরি ফাদও বাবার না মনাক মি ঘরর মাঝে কনাক।

মি লেক্ক'র লগে মারা কৌলি গালি করলেও মি খেলাউরি অয়া চালা, মি লেক্কার লগে মারা।

মি বেদাদে পাউরি বানা

কুনিয়ার হাবি মনাশ আত্র

(বেন) ভাহও উদাদে পানা

মি বেদান্তম পাউরি বানা।

মি দরর কনাকছো ইয়া বাবার কথা মাটিত না বেলেয়া নিকেরুরি তাম দো মি দরর কনাক ছৌ।

নি কিতাও না জাহ কিতা নোৱজা হোজা কিতা বা শাকি ইয়া বাবাৰ জানি তাম বি কিতাও নাজায়।

বার ঘাহার একা

विकृत जारंग जारंग जार्डित दिणांचे वर्तत अम्मा मीरा स्ते, পিঠা খেয়া শেয়া লিকল থেকেছা ছালে আই ভারা রাবি হার । জেঠ্যাহ্ আহিলে ছৌকরার জালায় পার্থাবা বভুনী চাজেয়ার ৷ রাতি অইলে মহায় কামারতারা জালায় মহরীর ভৌকরায় জলিয়ার আ্ষাড় মাচাক অবে অবে মজের (ছইনৌ, খাটল ভাম। ছারন মাহার হোর বরিষাভ খোর লাগের খেতির কাম। ভাল মাহাত কৃষ্ণ জন্ম কথা ভক্তি-মনে নিংশিং অব্যাপ। আখিন মাহাত তুর্গা পুঞার দিনে মুৱা মুৱা ফিক্টেড্ নি খিয়ার। **ৰাত্তিক সাহ, আছিলে বাউশ খেতি বা∹রো** নিয়মর পালিত লেইরিক হন্ডারাং আপ্রণে সপুকর পাক্না ধান কালিকা পৌৰ সাহার কারে ভট্টা কাছা নাইলে कात किमारि चाउकानि। नाम मोहात शिद्ध शक्कांसित निठा किंगास अस्ति । स्वाधि । क इति को क्यों के जाकिक एक वो-रही रात्यव विश्वाच छाउ । क्रम हो भूमि मही महा क्षेत्रात्वर मिकिसम्ब

어려요 원⁽ 문양원)

বাহিন দেহিয়ার বানি কানে চনিয়ার, নাকে গত হড়িয়ার, চুল, হোৱাদ পেয়ার। চাম হানাত হতনিয়ে অমি হার পেয়ার, প্রেলিয়ার কাম এতা, কিডা মাডডাং মান।

অঞ্প প্রভাঞ্যর নাং

আত, জাং, জাহি কান, নাক বা-রো পতা,
অল প্রাক্ত আমার আছে গেতা বেতা।
আতে কাম করিয়ার জাঙে আটিয়ার,
থালাল পেয়ার আমিকানে হনিয়ার।
আহে গির কাম অহে হাবিতা দেহানি,
হাবে, বাকে গতা বেতা, নাকল হুলানা
লাহিনির গলে লাহে হিয়াগ পিতুম,
গারিগত ছব আছে তার গাল রাম।
আরে বুক, ঠোট, আয়ু কহ ন, লেম্পাল,
আরে পেট, গইতং মেইপা কপাল।
আতে জাঙে আমারতা আছে আঙ্লী,
ভার আগাত নক আছে এরে আহাতুলী।
জ্বাইলে হোৱাদ নেই উতাত নেই ভূল,
হাবির গলে মূর আছে, তাব গলে চুল।

ব্রং

बान्त्वा, नीन्दा, ताहा-এत जिन तर,
जात तर नता तनरे, जात्ह निकत तर।
बान्त्वा नीन्दा तर विश्वण जिन्ह्या,
स्वा जांकण तर जात्र नार्य कह्वा।
बाह्य गां-ता नीन्दार जत वार्यन्ते,
बान्त्वा ताह्य शिक्षण ज्याना तहित।
जान्त्वा नीन्द्रा बाह्य जिन्ह्या ज्याना तहित।
जान्त्वा नीन्द्रा बाह्य जिन्ह्या ज्याना तहित।
तान्त्वा नीन्द्रा बाह्य जिन्ह्या ज्याना तहित।
तान्त्वा नीन्द्रा बाह्य जिन्ह्या ज्याना तहित।

को न करून चर्चा न

नुकृत तिक्काता त्यक दबके. বাবে করভারা 'ব-ম্' ट्टबो सक्किता 'डिविक डिविक' পারৌএ 'বক বক্ষ'। খড়ায় ডাংহেব 'চিহি হি হি' (कोश्वात्र 'का-का'। ছাগলীএ ভাষের 'মোঁ মোঁ' विश्वात क्का क्वा। মেকুর রহিতারা 'মি'উ-মি'উ' ভোগরার 'জগ-৩৭' মানা পরমর ডাক-'রিক-রিক' वन रिन्ना कि बन। গোৰুএ রহিভারা 'হামা-হামা' তেছবাছ'টে টে" মইচর ছৌএ বহিভারা ** CE - GCG -CE ' I

सुरु

কনাকর ছড়া

(:)

ইয়া বাবা থানা। কপাল হবা অনা।।

(?)

বাদ'ম ভাজা গানা, কাহর রথ চানা।

(**o**)

রাম রাবাব কাসকাম, আচানক বাম। বাম এ মাবল কাব, বাবল ছাবগার।

g

পৌণছণি দে'ৱারে নাছের চৌতালে। ভৌতলে ঢাক বাবার তালে বেতালে।

(*)

মৌ চরকর। পৌ হনিয়া হৌরকে লৌকরের লাজে ছাঙাক ভৌরর আঁহি টিকটিল করের।

હ

ভনাইছো অছে হারৌ,
পিধেছে বনকর থারৌ
প্রাত্ত ববাছে লারৌ
চার উঠানর প্রৌ

(%)

জির পেপুরার কামর বেয়া, ডেইবং গাঙর মেইনং ৷ জাং ছহান ডিকা ডিকা, ফালফের চা চা ৷ নাং করা যাত্রর নাছা করেছি ঠোরাং। শাং নেই যাত্রতাও চানারকা পৌরাং।

(>)

भार वृत्तिया रहोतियक लोग लोग शास्त्रहेती। हेतिर भाविर मिड वहरक स्तर स्तर करत रहहेती।

(>)

ভকানা দারৌ শেয়া শ্বিগ করের বরং বরং মাটিভ পড়িয়া পুখাম খেরী রহের ঠরং ঠরং।

(55)

'চৈডক্ত – নিভাই' বুলিয়া চলনদের থৈন ফাশুর যাম যাজভারা – ভাই ধক্ত গিরক ধক্ত।

(52)

খামার মাছর নাড়া,

श्विताः क बाका ।

प्राहेकरमहेत अन्।

হাবি এ ছংশি পেইজা।

(:0)

এক সৃষ্ট ডিন নাচ ভাভা ধিন,।

চারি পাঁচ ছয় া সাভাগিও নয়।

मात्र साह अ

क्षीस्य कार्को सन सारे क इंपलाझ सन नाता सम्बोधन सन्।

দভিগ্ন মাতেরতাম हिक दिक दिक, गा-कदिन मभगर न धाइम हिक हिक। ভোষরায় মাতেরতার જીવ જીવ જીવ, প্রকল্পনর কথা তি यन पिश्रा छन । চেবৌএ মাতভারাভায় চিরিক চিরিক, লেই বিক তাম করিয়া महे कित (भहेतिक। পার্বেএ মাতভারাভায় वक वक वक्स, কাম কর য়াম বা-রো কথা মাত কম।

>4)

ফ্ল-লেহাউ, যালতী, ষ্ভি, হংশি উকলেই।
সোলাপ কেতকী, জবা, ধলা কাপোকলেই।
সেনারেই, মদলেই টগর করবী।
থাম্পাল, ধতুরা হেনা, বকুল মাধবী।
ফল-পঙ্তিল, হেইনৌ, পাটল, কমালা।
নারিকল, জাম বা-রো কেছেম শিপ্তালা।
কীব-গোল, মইছ, ছামী, ভেডা, হরর কুরুর।
গাধা, ঘোডা, নেউল মার বাঁদর মেকুর।
হিয়াল, ভাশুক, বাৰ, ন্যা বা-রো আড্ডিটী।
প্রিবীর জীল এতা জানিয়া গইস ভি।

লাভিয়া – পানেই, চেনেই, আস, লাংটিয়া তেইবা।
চন্চনা, চেলাচকি, মুগুল কৌবা।
লগালক, বন্ধনা, মাছনানা, চিলা।
চাতক সারদ মুগুল আন কোকিল।
মাছ – নৌ, বাউ, আইব, মুগা, ইলিকা, চিলল।
প্রম, ঘাগট, বাছা, কাজিরা, বোয়াল।
চেং, হিংগি, উকাপি কামি মান্তলা।
চকা মুকা চেলাবায়া কেটিয়া ভাকচিনা।
ফুল ফল জীব বা-নো পাহিয়াপলীৰ কথা,
মনে পয় যেন্ডা যেন্ডানাং মান্তলা উদ্যান

(5%)

বাগান মালীগায়
তরায় ভেরায় কিলিকা অভিলা
হংকরেছে কোন্ধায় ?
লাভ লাভর নৃত্তি হংকরিয়া
পেলয়া চার কারিগরগায়
পৃথিবীর নানান জার হংকরিয়া
কমেই চারভা কোংগায় ?
বান বর সাম পেভির কারণে
আল চালার থেভোরালগায়
বরণ নিয়ার কোংগায়
বরণ নিয়ার কোংগায়
বরণ নিয়ার কোংগায়
বরণ নিয়ার কোংগায়
বিরুদ্ধে পুলা কলিব



তি লেখক পরিচিতি: প্রিগোলাপ সিংহ ১৯১: ইং ৮ই ফেব্রুগারী ঘাতাপুর পরগণার রাজনগর গাঁতে জরম অছিল। তার পিছেদে ৫ বংসর বয়েম নরিসিংহপুর লয়াত স্থায়ীভাবে আহিয়া ডাওর অছে। প্রীহটর মোরারী চাঁদ কলেজেও বি, এ, পাশ করিয়া শিক্ষক-র কামে নিয়োগ উহানই সিংহ গিরকর কর্মজীবন শুরু। বিশেষকরে বারমূনী লয়াত নাটকর (থিয়েটার) জোয়াড় আনানির মূলেই প্রিগালাপ সিংহ। ১৯৭৫ ইংরেজীত কাছাড় যাত্রা ফাংনাত হাস্থ কৌতৃকে হিতীয় পুরস্কার পাছিল। বছবছর ধরিয়া বি: মং মহাসভার সংস্কৃতি পরিষদর সভাপতির পদে থায়া সমাজর কামে আত্ননিয়োগ করেছিল।

শ্রীসংহ পুরাতন কাছাড় জিলাত তথা এ পূর্বাঞ্চলে নাট্যমোদী গিবিগিথা-নীরাং অতি পরিচিত শিল্পী আগ।

প্রকাশক।